| MI  | 上 冊                |       |
|-----|--------------------|-------|
| 407 | 第一章 緒 論            | 1     |
|     | 第一節 研究動機與目的        | 1     |
|     | 第二節 研究方法與限制        | 19    |
| E   | 第三節 文獻探討           | ·· 24 |
| H   | 第二章 兩漢《老子》注之時代背景   | ·· 27 |
|     | 第一節 政治社會背景         |       |
|     | 一、西漢初期:休養生息,國力大增   | ·· 28 |
| 次   | 二、西漢後期:外戚專政,盛極而衰   | ·· 29 |
| 人   | 三、東漢時期:外戚干政,宦官亂政   | 31    |
|     | 第二節 學術思想背景         | ·· 34 |
|     | 一、黄老思想             | 35    |
|     | (一) 治國之用           |       |
|     | (二)治身之用            | ⋯40   |
|     | (三)融入仙說            |       |
|     | 二、儒家經術             | _     |
|     | (一) 漢初儒學           |       |
|     | (二) 儒學神化           |       |
|     | 三、其他思想             |       |
|     | (一) 陰陽思想           |       |
|     | (二) 氣化思想           |       |
|     | 第三節 小結             |       |
|     | 第三章 兩漢《老子》注養生之淵源   |       |
|     | 第一節 道家之養生思想 ······ |       |
|     | 一、《老子》之養生思想 ······ |       |
|     | (一) 自然無爲           |       |
|     | (二)致虚守靜            |       |
|     | (三)抱一無離            |       |
|     | (四)專氣致柔            |       |
|     | 二、《莊子》之養生思想        |       |
|     | (一) 形全精復           |       |
|     | (二) 安時順處           |       |
|     | (三) 心齋坐忘           |       |
|     | (四)無爲至樂            | 92    |

| 第二節      | 黃老之養生思想      | 93  |
|----------|--------------|-----|
| _        | 、《管子》之養生思想   | 94  |
|          | (一) 以德存精     | 94  |
|          | (二) 敬除其舍     | 97  |
|          | (三) 調養血氣     | 98  |
|          | (四)順應四時      | 100 |
| <u> </u> | 、《呂氏春秋》之養生思想 | 103 |
|          | (一) 節制物欲     | 103 |
|          | (二)適宜其度      | 104 |
|          | (三) 疏通精氣     | 106 |
|          | (四)順應自然      | 108 |
| 三        | 、《黃帝內經》之養生思想 | 112 |
|          | (一) 法於陰陽     | 112 |
|          | (二)順應四時      | 115 |
|          | (三) 飲食有節     | 116 |
|          | (四)動靜有度      | 118 |
|          | (五) 攝養精神     | 119 |
| 四        | 、《淮南子》養生思想   | 122 |
|          | (一) 養精調氣     | 123 |
|          | (二) 虛靜養神     | 124 |
|          | (三) 順應四時     | 126 |
| 第三節      | 道教之養生思想      | 127 |
| _        | 、《太平經》之養生思想  | 128 |
|          | (一) 守一存神     | 128 |
|          | (二)胎息辟谷      | 131 |
|          | (三) 積善修道     | 133 |
| 第四節      | 小結           | 135 |
| 第四章      | 兩漢《老子》注養生之基礎 | 139 |
| 第一節      | 道論           | 139 |
| _        | 、《老子指歸》之「道」  |     |
|          | (一) 道體       | 140 |
|          | 1. 萬物所由      | 142 |
|          | 2. 性命所以      | 143 |
|          | (二) 道性       | 144 |

|                       | 1. 虛無             | 145 |
|-----------------------|-------------------|-----|
|                       | 2. 無爲             | 147 |
| 二、《                   | 《河上公注》之「道」        | 153 |
|                       | (一) 道體            | 153 |
|                       | 1. 萬物之母           | 153 |
|                       | 2.「道」與「一」         | 157 |
|                       | 3.「道」與「氣」         | 161 |
|                       | (二) 道性            |     |
|                       | 1. 虛靜             | 165 |
|                       | 2. 無爲             | 169 |
|                       | 3. 其他             |     |
| 三、《                   | 《老子想爾注》之道論        | 172 |
|                       | (一) 道體            |     |
|                       | 1. 道之神化           | 172 |
|                       | 2. 道即「一」、「氣」、「自然」 |     |
|                       | 3. 真道、偽道          |     |
|                       | 4. 生道合一           |     |
|                       | 5. 道誡             |     |
|                       | (二) 道性            |     |
|                       | 氣論                |     |
| <b>→ 、</b> ⟨          | 《老子指歸》氣論          |     |
|                       | (一) 宇宙之氣          |     |
|                       | (二)萬物之氣           |     |
|                       | (三) 氣化連通          |     |
| _` \                  | 《河上公注》氣論          |     |
|                       | (一) 宇宙之氣          |     |
|                       | (二) 自然之氣          |     |
|                       | (三) 人身之氣          |     |
|                       | (四)精氣相貫           |     |
| 二、《                   | 《老子想爾注》 氣論        |     |
|                       | (一) 宇宙之氣          |     |
|                       | (二) 人身之氣          |     |
| <i>kk</i> → <i>kk</i> | (三) 氣與天通          |     |
| 第三節 /                 | 小結                | 217 |

| 下 冊                |    |
|--------------------|----|
| 第五章 兩漢《老子》注養生之生命觀2 | 21 |
| 第一節 《老子指歸》之生命觀2    | 21 |
| 一、萬物一體2            | 22 |
| 二、形神合一 2           | 26 |
| (一) 形氣神結構2         | 26 |
| (二)形氣神關係2          | 37 |
| 三、死生一如2            |    |
| 第二節 《河上公注》之生命觀2    |    |
| 一、人身結構2            |    |
| 二、因氣立質2            |    |
| 三、壯極而老2            |    |
| 第三節 《老子想爾注》之生命觀2   |    |
| 一、人身神受2            |    |
| 二、人身結構2            |    |
| 三、仙無骨錄2            |    |
| 第四節 小結2            |    |
| 第六章 兩漢《老子》注養生之方法3  |    |
| 第一節 《老子指歸》之養生方法3   |    |
| 一、虛靜無爲 3           |    |
| (一) 虛靜3            |    |
| 1. 去知慮3            |    |
| 2. 去情欲3            |    |
| 3. 去意志3            |    |
| (二) 無爲3            |    |
| 二、順應自然 3           |    |
| (一) 安性3            |    |
| (二)順命3             |    |
| (三) 因時3            |    |
| (四) 守分             |    |
| 三、柔弱處下 3           |    |
| (一) 柔弱             |    |
| (二) 微寡3            | 29 |
| (三) 處下3            | _  |

| 四         | 、中和儉嗇 · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 330 |
|-----------|---|-----|
| 第二節       | 《老子河上公注》之養生方法                               | 333 |
| _         | 、節精愛氣                                       |     |
|           | (一) 愛精重施                                    | 335 |
|           | (二) 愛氣希言                                    | 337 |
| <u> </u>  | 、呼吸行氣 ·····                                 | 340 |
|           | (一) 呼吸精氣                                    | 340 |
|           | (二) 行氣導引                                    | 341 |
|           | (三)和氣潛通                                     | 345 |
| 三         | 、存養精神                                       | 349 |
|           | (一) 內視存神                                    | 350 |
|           | (二)除情去欲                                     | 354 |
|           | (三) 虛靜無爲                                    | 361 |
| 第三節       | 《老子想爾注》之養生方法                                | 364 |
|           | 、志道守誡                                       | 365 |
| $\vec{-}$ | 、去惡積善                                       | 370 |
| 三         | 、養氣結精                                       | 377 |
| 四         | 、虛靜存神                                       |     |
| 第四節       | 小結  | 389 |
| 第七章       | 兩漢《老子》注養生之境界                                | 391 |
| 第一節       | 《老子指歸》養生之境界                                 | 393 |
| _         | 、理想人格——聖人、真人、至人                             | 394 |
| 二         | 、精神境界——物我合一、我道相入                            | 404 |
|           | (一) 物我合一                                    | 404 |
|           | (二)我道相入                                     | 408 |
| 第二節       | 《老子河上公注》養生之境界                               | 413 |
|           | 、理想人格——聖人、道人、真人                             |     |
| 二         | 、精神境界——天人合一、與道合同                            |     |
|           | (一) 天人合一                                    |     |
|           | (二) 與道合同                                    |     |
| 第三節       | 《老子想爾注》養生之境界                                | 430 |
| _         | 、理想人格                                       |     |
|           | ——聖人、仙人、道人、眞人、道君                            |     |
|           | 、精神境界 ······                                | 442 |

| (一) 神與天通                 | 442 |
|--------------------------|-----|
| (二)回歸道素                  | 444 |
|                          | 448 |
| 第八章 結 論                  | 453 |
| 第一節 兩漢《老子》注養生思想之承先       | 454 |
| 第二節 兩漢《老子》注養生思想之轉變       | 455 |
| 第三節 兩漢《老子》注養生思想之特色       | 459 |
| 第四節 兩漢《老子》注養生思想之現代意義與    |     |
| 展望                       |     |
| 主要參考書目                   | 469 |
| 表次                       |     |
| 表 2-1: 陰陽比附表             | 53  |
| 表 2-2: 兩漢《老子》注之思想背景      | 71  |
| 表 3-1:《管子》精氣爲物           | 95  |
| 表 3-2:《管子》五行五臟相配表        | 100 |
| 表 3-3:《黄帝內經》五行五臟相配表      | 117 |
| 表 3-4: 兩漢《老子》注養生思想之淵源    | 136 |
| 表 4-1:《老子指歸》宇宙生成序列       | 143 |
| 表 4-2:《老子》與《河上公注》於「玄牝之門, |     |
| 是謂天地根」之比較表               | 163 |
| 表 4-3:《老子指歸》生成序列         | 185 |
| 表 4-4:兩漢《老子》注之道論比較表      | 218 |
| 表 4-5:兩漢《老子》注之氣論比較表      | 218 |
| 表 5-1:兩漢《老子》注之生命觀——身體結構  | 299 |
| 表 5-2:兩漢《老子》注之生命觀——性命觀等  | 299 |
| 表 6-1:兩漢《老子》注之養生方法比較表    | 390 |
| 表 7-1:兩漢《老子》注之養生境界比較表(一) |     |
|                          | 450 |
| 表 7-2:兩漢《老子》注之養生境界比較表(二) |     |
|                          | 450 |